>

Title: Need to provide financial and technological assistance to orange growers in Vidarbha Region of Maharashtra.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): मैं सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि विदर्भ जिसे संतरे की भूमि कहा जाता है पिछले कुछ वर्षों से महाराष्ट्र में संतरा उत्पादकों की परेशानियां लगातार बढ़ रही है । विदर्भ में डेढ़ लाख एकड़ पर संतरा उत्पादन किया जाता है । लेकिन 40 प्रतिशित संतरा आकार में छोटा होने के कारण मार्केट में उसे वाजिब भाव नहीं मिलता जिस कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है । ऐसे छोटे संतरों पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग महाराष्ट्र में एक भी नहीं है जिस कारण संतरा उत्पादक इन संतरों को मिट्टी के भाव से बेचने को मजबूर है ।

सन् 2006 में आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने टेक्नालॉजी मिशन फॉर सिटरस योजना का प्रारंभ किया था किंतु अभी तक किसानों को इस योजना का कोई भी लाभ नहीं मिला है । प्रतिवर्ष हजारों संतरों के पेड़ रोग के कारण सूख जाते हैं । किसानों की बहुत पुरानी मांग है कि ऐसे पीड़ित किसानों को आर्थिक मदद मिलनी चाहिए । किंतु यह मांग भी अभी तक पूरी नहीं हो सकी । मेरा सरकार से निवेदन है कि विदर्भ की संतरा खेती को बचाने के लिए जल्द से जल्द कदम उठाने की जरूरत है, जिससे किसानों को आर्थिक और तकनीकी मदद, पुराने बागों के सुधार के लिए किसानों को प्रोत्साहन देना और फूड प्रोसेसिंग उद्योग को स्थापित करना प्रमुख बातें हैं ।